चमन के फूल महाराजा अग्रसेन

अंधकार अत्याचार मिटाती रहे जिंदगी
सत्य और प्रेम के दीप जलाती रहे जिन्दगी
अग्रसेन जयंती पर मेरी है यही शुभकामना
आपको इंसान बनाती रहे जिन्दगी

अग्नि को बुझाने के लिए नीर चाहिए
दुखदर्द मिटाने के लिए दिल में पीर चाहिए
अणुबमों के भंडार से हिंसा नहीं मिटती
हिंसा को मिटाने के लिए अग्रसेन चाहिए

जो गलती पर गलती करे उसे शैतान कहते हैं
जो गलती कर सुधरता है उसे इंसान कहते हैं
गलती तो गलती है आखिर हो ही जाती है
जो गलती छोड़ बैठा है उसे भगवान कहते हैं

किसी के एव को तू बेनकाब मत कर
प्रभु हिसाब करेगा तू हिसाब मत कर
भले ही मैं बुरा सही मित्रो
तू अपनी नजरें तो खराब मत कर

वंदन नहीं करते तो तिरस्कार मत करना
उपकार न कर सको तो अपकार मत करना
शंका की कसक मन में चुभे तो भी
प्रेम का रूप दिखा कर छल का व्यवहार मत करना

आम से अच्छा कोई फल नहीं होता
गुलाब से अच्छा कोई फूल नहीं होता
सारी दुनिया में जाकर देख लेना कि
अहिंसा धरम से अच्छा कोई धर्म नहीं होता

बीतने वाली घड़ी को कौन लौटा पाएगा
इस धरा का इस धरा पर सब धरा रह जाएगा
जिन्दगी भर का कमाया साथ में क्या जाएगा
यह सुअवसर खो दिया तो अंत में पछताएगा

अटल तकदीर में मेरी श्री राम लिखा है
आंखों में देख लो मेरी जयश्री कृष्ण लिखा है
जुबां पर देख लो मेरी जय अग्रसेन लिखा है
हृदय को चीर कर देखो तीर्थ अग्रोहा लिखा है

..... नेमीचंद्र गोयल